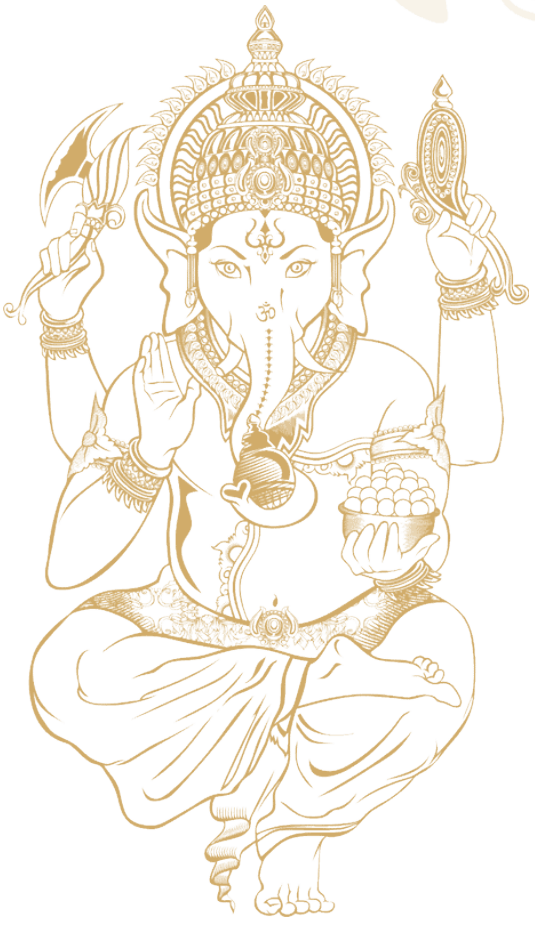

# Gaurav Shukla

# Pratiksha

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120915501

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120915501 Date: 13/01/2026

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 25/10/1999 | जन्म तिथि | 26/12/1999 |
| सोमवार | दिन | रविवार |
| घंटे 23:10:00 | जन्म समय | 08:00:13 घंटे |
| घटी 42:47:00 | जन्म समय(घटी) | 03:11:17 घटी |
| India | देश | India |
| Jaunpur | स्थान | Jaunpur |
| 25:44:00 उत्तर | अक्षांश | 25:44:00 उत्तर |
| 82:41:00 पूर्व | रेखांश | 82:41:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे 00:00:44 | स्थानिक संस्कार | 00:00:44 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:03:11 | सूर्योदय | 06:43:42 |
| 17:23:28 | सूर्यास्त | 17:15:36 |
| 23:51:01 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:51:11 |

| | | |
|---|---|---|
| कर्क | लग्न | धनु |
| चन्द्र | लग्न लग्नाधिपति | गुरु |
| मेष | राशि | कर्क |
| मंगल | राशि-स्वामी | चन्द्र |
| भरणी | नक्षत्र | आश्लेषा |
| शुक्र | नक्षत्र स्वामी | बुध |
| 2 | चरण | 4 |
| सिद्धि | योग | विष्कुम्भ |
| कौलव | करण | बालव |
| लू-लूनेश | जन्म नामाक्षर | डो-डौली |
| वृश्चिक | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मकर |
| क्षत्रिय | वर्ण | विप्र |
| चतुष्पाद | वश्य | जलचर |
| गज | योनि | मार्जार |
| मनुष्य | गण | राक्षस |
| मध्य | नाड़ी | अन्त्य |
| मृग | वर्ग | श्वान |

**Astro.Pt.Premshankar Sharma**
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

# ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शुक्र 10वर्ष 0मा 15दि | | 05:35:32 | कर्क | लग्न | धनु | 27:44:06 | बुध 4वर्ष 2मा 2दि | |
| मंगल | | 08:00:31 | तुला | सूर्य | धनु | 09:59:55 | शुक्र | |
| 09/11/2025 | | 19:58:21 | मेष | चंद्र | कर्क | 26:43:38 | 27/02/2011 | |
| 09/11/2032 | | 12:27:23 | धनु | मंगल | मक | 29:09:01 | 27/02/2031 | |
| मंगल | 07/04/2026 | 02:06:09 | वृश्चि | बुध | वृश्चि | 28:11:11 | शुक्र | 28/06/2014 |
| राहु | 26/04/2027 | 05:48:43 | मेष व | गुरु | मेष | 01:12:32 | सूर्य | 28/06/2015 |
| गुरु | 01/04/2028 | 21:37:02 | सिंह | शुक्र | वृश्चि | 00:00:20 | चन्द्र | 26/02/2017 |
| शनि | 10/05/2029 | 20:47:39 | मेष व | शनि व | मेष | 16:42:25 | मंगल | 28/04/2018 |
| बुध | 08/05/2030 | 15:12:07 | कर्क व | राहु | कर्क | 10:06:54 | राहु | 28/04/2021 |
| केतु | 04/10/2030 | 15:12:07 | मक व | केतु | मक | 10:06:54 | गुरु | 28/12/2023 |
| शुक्र | 04/12/2031 | 19:00:54 | मक | हर्ष | मक | 20:38:37 | शनि | 27/02/2027 |
| सूर्य | 10/04/2032 | 07:46:31 | मक | नेप | मक | 09:07:02 | बुध | 28/12/2029 |
| चन्द्र | 09/11/2032 | 15:04:56 | वृश्चि | प्लूटो | वृश्चि | 17:22:20 | केतु | 27/02/2031 |

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

**23:51:01 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:11**

## लग्न-चलित

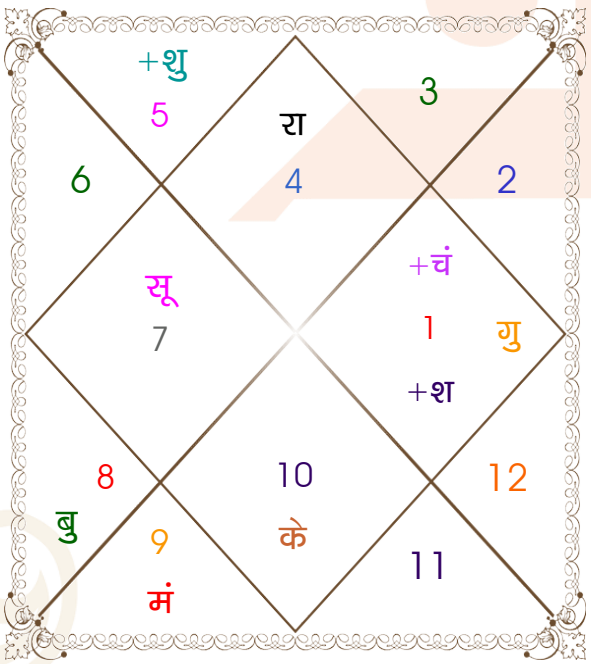


## लग्न-चलित

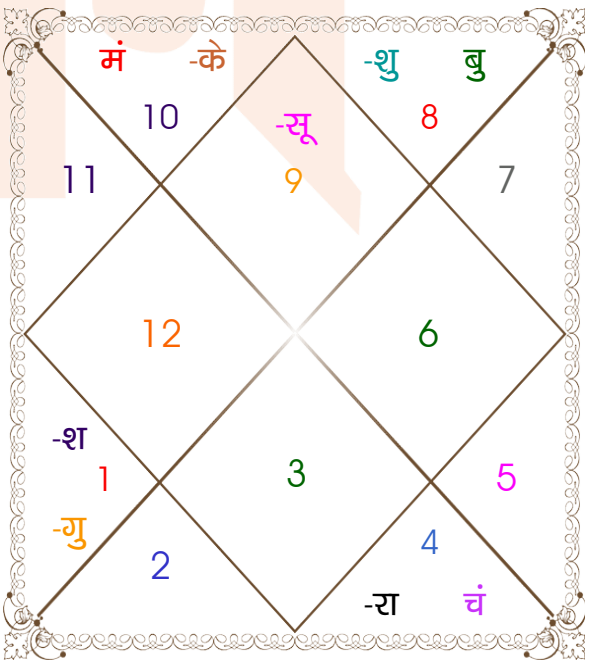



**Astro.Pt.Premshankar Sharma**
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | विप्र | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | जलचर | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | विपत | मित्र | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | गज | मार्जार | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | मंगल | चन्द्र | 5 | 4.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | राक्षस | 6 | 0.00 | हाँ | सामाजिकता |
| भकूट | मेष | कर्क | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | अन्त्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 23.50 | | |

कुल : **23.5 / 36**

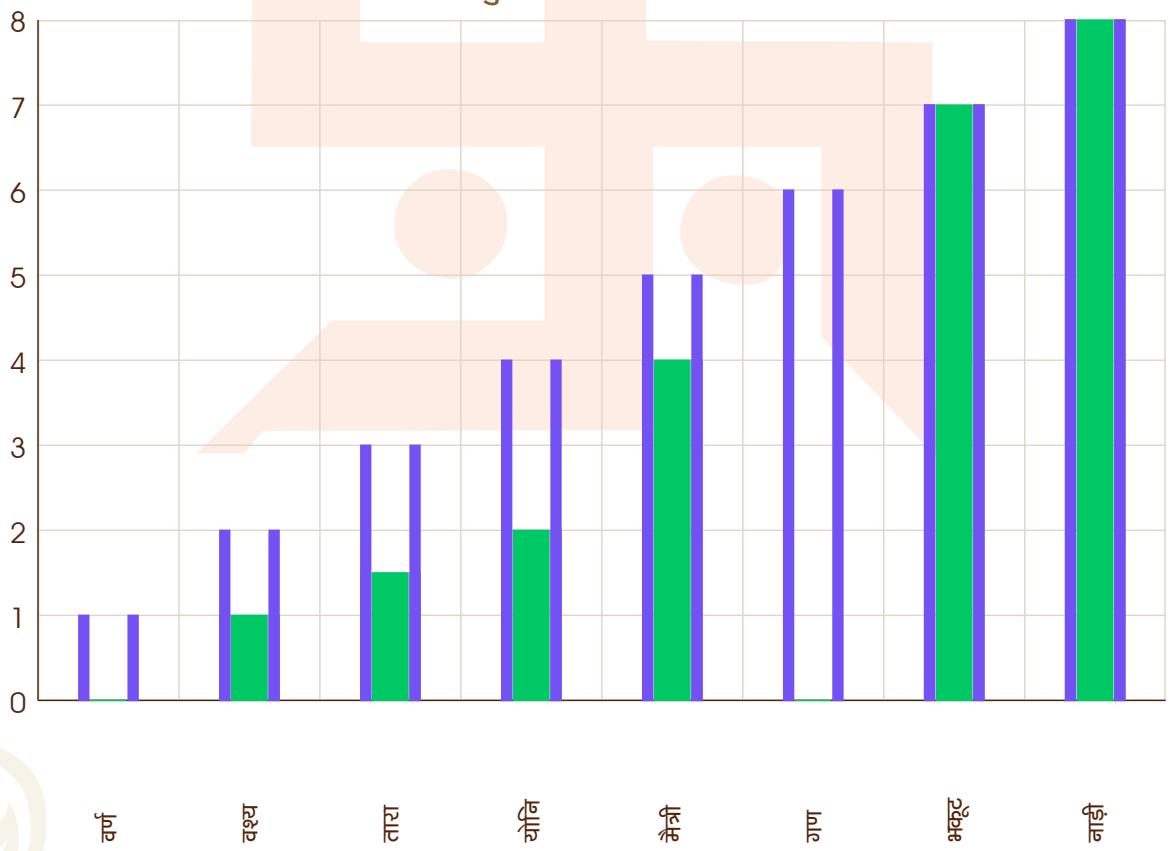


**Astro.Pt.Premshankar Sharma**
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

# अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

ळंनतंअौनासं का वर्ग मृग है तथा Pratiksha का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ळंनतंअौनासं और Pratiksha का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

ळंनतंअौनासं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Pratiksha मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

ळंनतंअौनासं तथा Pratiksha में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

**Astro.Pt.Premshankar Sharma**
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

# अष्टकूट फलादेश

## वर्ण

ळंनतंअौनासं का वर्ण क्षत्रिय तथा Pratiksha का वर्ण ब्राह्मण है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच सदैव अहं का टकराव होता रहेगा। साथ ही Pratiksha हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रस्त रहेंगी तथा स्वयं को अपने पति से हमेशा अधिक बुद्धिमान एवं चतुर समझेंगी। श्रेष्ठता की यही भावना ळंनतंअौनासं एवं बच्चों के विकास में बाधक साबित हो सकती है।

## वश्य

ळंनतंअौनासं का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Pratiksha का वश्य जलचर है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। पशु एवं जलचर दोनों का साथ-साथ प्रकृति में सह अस्तित्व होता है। इसलिये दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार एवं पसंद/नापसंद अलग-अलग होंगे। जिसके फलस्वरूप दोनों शायद ही कभी एक-दूसरे को नुकसान पहुंचायेंगे। ळंनतंअौनासं एवं Pratiksha दोनों अपने-अपने अलग कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व निभाते रहेंगे। इस मिलान में ळंनतंअौनासं एवं Pratiksha दोनों एक-साथ प्रेमपूर्वक अपने कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

## तारा

ळंनतंअौनासं की तारा विपत तथा Pratiksha की तारा मित्र है। ळंनतंअौनासं की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ळंनतंअौनासं एवं ळंनतंअौनासं के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Pratiksha हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Pratiksha को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

## योनि

ळंनतंअौनासं की योनि गज है तथा Pratiksha की योनि मार्जार है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

**Astro.Pt.Premshankar Sharma**
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

## मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ळंनतंअौनासं का राशि स्वामी Pratiksha के राशि स्वामी से मित्र का संबंध रखता है। जबकि Pratiksha का राशि स्वामी ळंनतंअौनासं के राशि स्वामी के साथ सम का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को सम मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

## गण

ळंनतंअौनासं का गण मनुष्य तथा Pratiksha का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Pratiksha का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण ळंनतंअौनासं एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

## भकूट

ळंनतंअौनासं से Pratiksha की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा Pratiksha से ळंनतंअौनासं की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण ळंनतंअौनासं परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Pratiksha घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम

प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

## नाड़ी

ळंनतंअौनासं की नाड़ी मध्य है तथा Pratiksha की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण ळंनतंअौनासं एवं Pratiksha के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

**Astro.Pt.Premshankar Sharma**
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

# मेलापक फलित

## स्वभाव

ळंनतंअौनासं की जन्मराशि मेष तथा Pratiksha की जन्मराशि कर्क है। कर्क राशि जलतत्व एवं मेषराशि अग्नितत्व युक्त है तथा अग्नि एवं जल के मध्य नैसर्गिक रूप से असमता का भाव अधिक होता है। अतः आप दोनों के मध्य असमानताएं अधिक रहेंगी। साथ ही ळंनतंअ ोनासं और Pratiksha में परस्पर भय का वातावरण रहेगा परन्तु समयानुकूल सम्मान के भाव का भी प्रदर्शन करेंगे। यही सम्मान एवं समानता का भाव इनको मधुर क्षण उपलब्ध कराएगा।

ळंनतंअौनासं और Pratiksha के राशि स्वामियों की स्थिति परस्पर मित्र है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति शुभ रहेगी। यद्यपि Pratiksha बाहयरूप से मृदु एवं कोमल होगी परन्तु आंतरिक मन से वह सुदृढ रहेंगी तथा भावनाओं से लड़ने में सफल होगी तथा अपने प्रेमी के लिए बड़ा से बड़ा त्याग करने के लिए तत्पर रहेगी परन्तु ळंनतंअौनासं एक व्यावहारिक व्यक्ति होने के कारण उनकी इन भावनाओं को विशेष महत्व नही देंगे लेकिन Pratiksha उनके स्वार्थ एवं बचपने को समझकर उनसे सामंजस्य स्थापित करने मे समर्थ रहेंगी।

ळंनतंअौनासं और Pratiksha की राशियां परस्पर 4-10 भाव में पड़ती हैं। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से इनका सामान्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा तथा आर्थिक एवं भौतिक रूप से भी सम्पन्न रहेंगे। यद्यपि ळंनतंअौनासं की प्रवृति निराशावादी रहेगी परन्तु Pratiksha अपने प्रबल आशावाद से अप्रिय क्षणों को दूर करके किंचित सुखद क्षणों की प्राप्ति करने में समर्थ रहेंगी।

ळंनतंअौनासं का वश्य चतुष्पाद तथा Pratiksha का वश्य जलचर है। इसके प्रभाव से इनका दाम्पत्य जीवन आदर्श एवं उत्साह से पूर्ण रहेगा तथा ळंनतंअौनासं , Pratiksha की कामभावनाओं का आदर करते हुए उन्हें पूर्ण रूप से प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

Pratiksha का वर्ण ब्राहमण तथा ळंनतंअौनासं का वर्ण क्षत्रिय है। अतः इनकी कार्य क्षमताओं एवं क्षेत्रों में भिन्नता रहेगी। ळंनतंअौनासं जहाँ उत्साही पराक्रमी एवं साहसी कार्यो को करने मे रूचिशील रहेंगे वहां Pratiksha अध्ययन अध्यापन शास्त्रीय या अन्य सत्कार्यो को करने में रूचिशील होंगी परन्तु इससे दाम्पत्य जीवन की शुभता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

## धन

ळंनतंअौनासं और Pratiksha दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य

जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

## स्वास्थ्य

ळंनतंअौनासं की नाड़ी मध्य तथा Pratiksha की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की अलग अलग नाड़ियां होने के कारण ये नाड़ी दोष से मुक्त रहेंगे। इसके प्रभाव से ळंनतंअौनासं और Pratiksha दोनों का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा परिश्रम एवं पराक्रम से वे अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ रहेंगे। इससे दाम्पत्य जीवन में खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः उत्तम दाम्पत्य जीवन को व्यतीत करने की दृष्टि से यह मिलान अनुकूल रहेगा तथा ळंनतंअौनासं और Pratiksha सुख एवं आनंद पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

## संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से ळंनतंअौनासं और Pratiksha का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त ळंनतंअौनासं और Pratiksha के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Pratiksha के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Pratiksha को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Pratiksha को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से ळंनतंअौनासं और Pratiksha सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ळंनतंअौनासं और Pratiksha का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

Pratiksha तथा उसकी सास के परस्पर संबध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में अधिक अन्तर होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी गंभीर नहीं होगी

जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि Pratiksha धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक सामंजस्यशील प्रवृति का अनुसरण करें तो सास से संबधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ Pratiksha के संबध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान की भावना तथा सेवा की प्रवृति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Pratiksha का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

## ससुराल-श्री

ळंनतंअौनासं  तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में ळंनतंअौनासं  के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह ळंनतंअौनासं को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही ळंनतंअौनासं  के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण ळंनतंअौनासं  के प्रति अनुकूल ही रहेगा।